

शाम डेरी

Date :

MON TUE WED THU FRI SAT SUN
☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

रामपुर नाम के एक गाँव में सविता नाम की एक औरत रहती थी। उसके परिवार में उसका पति शाम और उसकी बेटी राखी रहती थी। सविता का पति बीमार रहता था उसे कैंसर था तो घर में कोई कमाने वाला नहीं था, तो सविता अपने गाँव में घर-घर जाकर काम करती थी। रात को आकर अपने घर का भी काम करती थी।

एक दिन उसकी बेटी राखी ने कहाँ की माँ तुम घर का काम मुझे सीखा दो तो मैं कर लूँगी। सविता ने राखी को धीरे-धीरे घर का सारा काम सीखा दिया। राखी रोज सुबह स्कूल जाती और दोपहर में आकर घर का सारा काम कर लेती थी।

एक दिन उसके पापा अपनी शाम चल बसे सविता ने कहाँ में घर-घर जाकर काम इसलिए करती थी क्योंकि इनके इलाज के लिए पैसे जमा हो सके। अब मैं क्या करूँ?

Date :

MON TUE WED THU FRI SAT SUN
☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

राक महीने बाद जब वे उस दुष्ट
 से बाहर आ सके, तब राखी ने
 गुरुल जाना और सक्ता ने घर-घर
 जाकर काम करना शुरू कर दिया।
 राक दिन राखी ने अपनी माँ से
 कहा, "क्या तुम सारी जींदगी काम
 करोगी (नहीं) जब तु बड़ी हो जारगी
 और तेरी नौकरी लग जारगी तब
 मुझे ये सब काम करने की क्या
 जरूरत होगी।" तो उसकी बेटी ने कहाँ
 की माँ तुम दही बहुत अच्छा
 जमाती हो, तो क्यों ना हम हमारे
 गाँव से दही बेचें। तो उसकी माँ
 ने कहाँ, "की दही बेचने के लिए
 तो हमें दुष्ट की जरूरत होगी
 से यानरान सेठ के पास जाकर
 उनसे उनकी राक गाथा कीशाय पर
 सुँठा लुंगी"। फिर उन्होंने दही बेचना
 शुरू किया। सारे गाव वाले
 बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सारे, उनके दही
 के फेन बन गए। उनकी बहुत
 अच्छी कमाई होने लगी। थोड़े दिनों
 बाद उन्होंने राक डेरी फार्म खोली।

Date :

MON TUE WED THU FRI SAT SUN
☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

लिशा, जिसमे दही, दूध, छांश्, राशि
चीजे मिलती थी और देखते ही देखते
उनकी डेरी की ब्रांच शहरों में
भी बन गई और श्वीता और शब्दी
चैन की जेदगी जीने लगे
उन्होंने डेरी का नाम रख दिया
शाम डेरी ।